भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **2252**
दिनांक 4 जुलाई , 2019 / 13 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

रामेश्वरम में विमानपत्तन

2252. श्री के॰ नवासखनी:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश के विभिन्न भागों से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक रामेश्वरम आते हैं;

(ख) यदि हां तो क्या पर्यटकों को सुविधा प्रदान करने हेतु रामेश्वरम में विमानपत्तन बनाने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) : जी हाँ।

(ख) से (घ): देशभर में ग्रीनफ़ील्ड हवाईअड्डों के विकास के लिए भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय ने एक ग्रीनफ़ील्ड हवाईअड्डा नीति प्रतिपादित की है। ग्रीनफ़ील्ड हवाईअड्डा नीति के अनुसार, हवाईअड्डे की स्थापना हेतु प्रस्ताव देने वाला आवेदक उक्त नीति के अंतर्गत निर्धारित प्रारूप में संचालन समिति को आवेदन करेगा। ग्रीनफ़ील्ड हवाईअड्डे की स्थापना हेतु परियोजना प्रस्तावक से प्राप्त अनुरोध के आधार पर, सरकार दो चरणों में क्लियरेंस प्रदान करती है यथा 'साइट क्लियरेंस' और उसके पश्चात 'सिद्धान्त-रूप में' अनुमोदन। तथापि, सरकार को, रामेश्वरम में ग्रीनफ़ील्ड हवाईअड्डे की स्थापना हेतु ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

इसके अलावा, नागर विमानन मंत्रालय ने 2016 में राज्य सरकारों, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, सिविल एंक्लेव और सीपीएसयू के अ-सेवित और अल्प-सेवित हवाईअड्डों/ हवाई पट्टियों, हेलीपैडों का पुनरुत्थान करते हुए क्षेत्रीय संपर्कता को प्रोत्साहन देने हेतु 4500 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता के ज़रिये क्षेत्रीय संपर्कता योजना (आरसीएस) – उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) आरंभ की है। आरसीएस-उड़ान के पहले एवं दूसरे चरण में, देश में 56 असेवित हवाईअड्डों और 31 असेवित हेलिपैडों से उड़ानें आरंभ करने के लिए विविध प्रचालकों को मार्ग अवार्ड कर दिये गए हैं। आज तक, आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत 39 हवाईअड्डों (असेवित/अल्पसेवित) पर प्रचालन आरंभ किया जा चुका है। आरसीएस-उड़ान के संस्करण 3.0 के अंतर्गत बोली के तीसरे चरण में, मैसर्स टर्बो एविएशन प्राइवेट लिमिटेड ने चेन्नई और रामनाड (रामेश्वरम का सबसे नज़दीकी हवाईअड्डा) के बीच एटीआर-72 प्रकार के विमानों के साथ आरसीएस उड़ानों के प्रचालन हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।